P-1165

Total Pages : 3 Roll No. .....

CGL-104

गढ़वाली लोक साहित्य

Certification in Garhwali Language (CGL)

Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. गढ़वाली लोकसाहित्य पर एक निबंध लिखिए।

2. गढ़वाली लोकगीतों के प्रमुख प्रकारों को लिखिए और उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. गढ़वाल के संदर्भ में कथा, कहानी और वार्ता का अंतर स्पष्ट करते हुए गढ़वाली लोककथाओं को लिपिबद्ध करने के प्रारम्भिक प्रयासों का वर्णन कीजिए।

4. गढ़वाली लोकसाहित्य के संदर्भ में बालक्रीडा साहित्य, लोरी साहित्य का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. गढ़वाल के संदर्भ में देवी-अनुष्ठान लोकनाट्य, बेडवार्ता व स्वांग आधारित लोकनाट्यों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. लोकगीत और लोकगाथा में अंतर स्पष्ट करते हुए, दोनों में तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

2. गढ़वाल के उन लोकगीतों के उदाहरण सहित नाम लिखिए जिन पर अर्द्धमंडलाकार घेरे में नृत्य किया जाता है।

3. गढ़वाली लोकगीतों व लोकोक्तियों के ऐतिहासिक महत्त्व को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

4. किसी एक गढ़वाली लोककथा का हिंदी भावानुवाद लिखिए।

5. गढ़वाली लोकगाथाओं का स्वरूप व उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6. गढ़वाली लोकसाहित्य में मुहावरों व पहेलियों के महत्त्व का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

7. लोक गाथा और लोक कथा में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

8. जागर और लोकगीतों में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।